BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी गुरूवार विक्रम संवत् 2079। 07 जुलाई 2022

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना में अब केवल 54 ट्रेड ही

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना को और व्यावहारिक बनाने के लिए 102 में से इसके 48 ट्रेड को हटा दिया है। अब चयनित उद्यमियों को 54 ट्रेड में ही सहायता राशि दी जाएगी। ट्रेड चयन के एक सप्ताह में उद्यमियों को सहायता राशि की पहली किस्त के रूप में 4 लाख का भुगतान कर दिया जाएगा। उद्योग विभाग ने ट्रेड बदलने के लिए चयनित उद्यमियों को एक सप्ताह का समय भी दिया है।

पहले ही दिन एक हजार उद्यमियों ने अपना ट्रेड बदल भी लिया। जिन ट्रेडों को हटाया है, वे अनुत्पादक थे और उनमें से अधिसंख्य के लिए बाजार की समस्या थी। इससे उन परियोजना के सफल होने पर सवाल था। हालांकि जिन चयनित उद्यमियों को पहली किस्त का भुगतान कर दिया गया है, उन्हें ट्रेड बदलने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें पुरानी प्रक्रिया से ही योजना का लाभ मिलेगा।

- सरकार ने योजना को और व्यावहारिक बनाया : मंत्री
- ट्रेड चयन के एक सप्ताह में ही मिल जाएगी सहायता राशि

इन ट्रेडों का किया गया है चयन

बेकरी, आटा-सतू-बेसन, पशु आहार, मुर्गी दाना, तेल-दाल मिल, मसाला उत्पादन, आइसक्रीम फैक्ट्री, जैम-जेली, कार्नफ्लैक्स उत्पादन, पोहा-चूड़ा उत्पादन, बीज प्रसंस्करण पैकेजिंग, मधु प्रसंस्करण, फल जूस, मखान प्रोसेसिंग, बढ़ईगिरी-लकड़ी फर्नीचर, बांस का सामान, बेंत का फर्नीचर, सीमेंट का जाली.. दरवाजा-खिड़की, फ्लाई एश ईटा, सीमेंट ब्लॉक व टाइल्स, कंक्रीट ह्यूम पाइप, डिटर्जेंट-साबुन-शैंपू, डिस्पोजल डाइपर व सेनेटरी नैपकिन, नोटबुक- फाइल-फोल्डर, प्लास्टिक सामग्री, स्पोर्ट्स जूता, पीवीसी जूता, गेट-ग्रिल, हॉस्पिटल बेड-ट्राली निर्माण, हल्के वाहन का बॉडी निर्माण, रौलिंग शटर, पैथोलाजिकल जांच घर, स्टील फर्नीचर-बॉक्स-आलमीरा, स्टेबलाइजर-इन्वर्टर-यूपीएस आदि।

यह जानकारी शुक्रवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने दी। उन्होंने बताया कि मैनुफैक्चरिंग, लेदर और टेक्सटाइल सेक्टर पर फोकस किया गया है। इसके अलावा छोटे-छोटे उद्योगों को भी शामिल किया गया है। जिन 54 ट्रेडो का चयन किया गया है, वे उद्यमियों को तो सशक्त बनाएंगे ही राज्य की आर्थिक समृद्धि में भी विशेष रूप से मददगार होंगे। खासकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को इससे काफी बल मिलेगा। साथ ही रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2021-22 में 15986 उद्यमियों का चयन लॉटरी से किया गया है। इनमें से 1885 लोगों को पहली किस्त दी जा चुकी है। जबकि, 434 को रद्द कर दिया गया। शेष 13666 लोगों में से 7237 लोगों ने तो यही 54 ट्रेड चुना है, जबकि 6429 लोग इन ट्रेड से बाहर हैं। इन्हें एक सप्ताह में इन 54 ट्रेडों में से किसी का चयन करना है। इन योजना के तहत 10 लाख की सहायता राशि दी जाती है। इसमें 6 लाख मशीन के लिए व 4 लाख पूंजी के रूप में। मॉडल डीपीआर वेबसाइट पर डाल दिया गया है। यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत चयनित कोई भी इस योजना से वंचित नहीं होगा। उन्हें 10 लाख की सहायता दी जाएगी। उन्हें केवल ट्रेड बदलना होगा।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 07.07.2022 | पृष्ठ सं० 02

हर जिले में खुलेगा मेगा स्किल सेंटर

कौशल प्रशिक्षण

संवाददाता ▷ पटना

राज्यभर में युवाओं को रोजगार से जोड़ने. उन्हें रोजगार संबंधित ट्रेनिंग देने के लिए सभी जिलों में मेगा स्किल सेंटर की स्थापना होगी.

श्रम संसाधन विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार किया है, जहां एक ही छत के नीचे युवाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा. युवाओं का कौशल विकास और प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया जायेगा. स्किल सेंटर में युवाओं को 90 प्रकार के ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जायेगा. पहले चरण में पटना, नालंदा व दरभंगा में सेंटर खुलेगा. इन केंद्रों पर हर साल दो हजार से ढाई हजार बच्चों को प्रशिक्षित किया जायेगा.

पिछले पांच वर्षों में एक लाख एक हजार 264 युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं गये हैं. इस सेंटर से बेरोजगारों को काफी हद तक रोजगार पाने में मदद मिल सकेगी.स्किल सेंटर में विभिन्न प्रकार की तकनीकी प्रशिक्षण के जरिये युवाओं को कमाऊ के लिए दक्ष बनाया जायेगा.

90 प्रकार के रोजगार के लिए कोर्स उपलब्ध होंगे

स्किल सेंटर्स पर एग्रीकल्चर, एयरोस्पेस एंड एविएशन, कृषि, कपड़ा, ऑटोमोटिव, कैपिटल गुड्स, निर्माण , इलेक्ट्रॉनिक्स व हार्डवेयर, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रीन जॉब्स, हैंडीक्रॉफ्ट्स, हेल्थ केयर, आयरन एंड स्टील, माइनिंग, पावर, रबर, टेलकम व टेक्सटाइल्स से जुड़े 90 प्रकार के रोजगार के लिए कोर्स उपलब्ध होंगे. शॉर्ट टर्म कोर्स के तहत छात्रों को कम-से- कम 300 घंटे और अधिकतम 1500 घंटे प्रशिक्षण दिया जायेगा. इन सेंटर्स का संचालन निजी कंपनियों द्वारा किया जायेगा.

- युवाओं को मिलेगी रोजगार से संबंधित ट्रेनिंग, पिछले पांच वर्षों में एक लाख से अधिक युवाओं को मिला रोजगार
- पहले फेज में पटना, नालंदा, दरभंगा में खुलेगा सेंटर
- इस सेंटर से बेरोजगारों को काफी हद तक रोजगार पाने में मदद मिल सकेगी

श्रम विभाग चला रहा है युवाओं के लिए कार्यक्रम

01. सभी जिलों में वृहद स्तर पर नियोजन मेला और नियोजन कैंप का आयोजन किया जा रहा है.
02. डोमेन स्किल में युवाओं को ट्रेड विशेष में रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाता है. रोजगार सहायता प्रदान की जाती है.
03. कौशल युवा प्रोग्राम के तहत युवाओं को बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण, भाषा कौशल, व्यवहार कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है.
04. प्रधानमंत्री कौशल युवा प्रोग्राम के तहत रोजगार के उन्मुखीकरण के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है.
05. आइटीआइ संस्थानों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उच्च स्तरीय सेंटर ऑफ एक्सेलेंस बनाया जा रहा है.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 07.07.2022 | पृष्ठ सं० 8

बिहार के सभी जिलों में होगा रंगीन अलंकारी मछलियों का उत्पादन

विशेष

■ मनीष कुमार भारतीय

गोपालगंज। बिहार रंग-बिरंगी अलंकारी मछलियों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा। इसके लिए पशु एवं मत्स्य विभाग ने समग्र अलंकारी मात्स्यिकी योजना की मंजूरी दी है। यह सौंदर्यात्मक, फेंगशुई व स्वास्थ्य लाभ के महत्व वाली 40 प्रकार की मछलियों के पालन, संवर्द्धन व उसकी बिक्री की योजना है। इससे बिहार में विलुप्त प्रजातियों में शामिल ग्यारह तरह की रंगीन मछलियों का संरक्षण व संवर्द्धन भी हो सकेगा। चालू वित्तीय वर्ष में गोपालगंज सहित प्रदेश के सभी 38 जिलों में अलंकारी रंगीन मछली पालन व प्रजनन की 159 इकाई निजी क्षेत्र में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए पिछड़ा वर्ग के मछुआ किसानों को 70 व अन्य वर्ग के लिए 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है। प्रमंडल स्तर पर 12.26 लाख की लागत से विपण्न इकाई स्थापित की जाएगी। जबकि जिला स्तर 11.50 लाख की लागत से प्रजनन इकाई लगाने की योजना है। इसके लाभुकों के चयन में पूर्व से अलंकारी रंगीन मछली के व्यवसाय से जुड़े, प्रशिक्षित व पहले ऑनलाइन आवेदन करने वाले लाभुकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

दूसरे प्रदेशों के आयात पर निर्भर है बिहार का बाजार: बिहार में अलंकारी रंगीन मछलियों का फिलहाल 80 से 90 करोड़ का

बाजार है। नब्बे फीसदी बाजार दूसरे प्रदेशों से आयात पर निर्भर है। देश के पश्चिम बंगाल, असम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में रंगीन मछलियां ज्यादा पायी जाती हैं। इन स्थानों से मछलियों का बिहार में आयात किया जाता है। इसकी मांग मध्य व उच्च आय वर्ग में है। घरों, दफ्तरों, बुटिक व शॉप आदि जगहों में एक्वेरियम में रंगीन मछलियों को रखकर सजाया जाता है। फिलहाल बिहार में दरभंगा, खगड़िया, पटना आदि जिलों में काफी कम मात्रा में रंगीन मछलियों का उत्पादन किया जा रहा है।

बिहार में पायी जाने वाली 40 प्रकार की मछलियों का है व्यवसायिक महत्व: राज्य में 79 प्रकार की मछलियां पायी जाती हैं। जिसमें 40 प्रकार की रंगीन मछलियों का व्यवसायिक महत्व है। इन मछलियों में पुंटियस फुटुनियो, पुंटियस कोंचोनिस, पुंटियस सोफोर ,रसबोरा, नेमाचिलस बोटिया, गरा गोटिला, डैनियो डांगिला, गोल्ड फीश, एंजल, चिकलेट आदि प्रजातियां शामिल हैं। ये मछलियां बिहार की नदियों, चंवरों व जलाशयों में मिलती हैं। इसके अलावे दुर्लभ या विलुप्त प्रजातियों में शामिल लोच,पॅक्टियस,मिस्टस व टेट्रा सहित ग्यारह तरह की रंगीन मछलियां भी कभी-कभार मिल जाती हैं।

159 इकाई निजी क्षेत्र में स्थापित करने का चालू वित्तीय वर्ष में है लक्ष्य

- पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने दी समग्र अलंकारी मात्स्यिकी योजना को मंजूरी
- सभी 38 जिलों में लगेगी मछलियों की प्रजनन इकाई

"सात निश्चय -2 के तहत चालू वित्तीय वर्ष के लिए समग्र अलंकारी मात्स्यिकी योजना को विभाग ने मंजूरी दी है। इससे मछुआ किसानों की आमदनी बढ़ेगी। रंगीन मछलियों के उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। गोपालगंज में लाभुकों के चयन के लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू होगी।

-मनोरंजन कुमार, जिला मत्स्य पदाधिकारी

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 07.07.2022 | पृष्ठ सं० 08

सीएम 501 नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखा रवाना करेंगे

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को एक अण मार्ग स्थित आवास से 501 नए एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न जिलों के लिए रवाना करेंगे। इन एम्बुलेंस में 275 उन्नत जीवनरक्षक एम्बुलेंस (आलसा) और 226 बुनियादी जीवन रक्षक एम्बुलेंस (बालसा) शामिल है। राज्य सरकार ने इन एम्बुलेंस की इमरजेंसी कोविड रिस्पांस पैकेज-02 के तहत खरीद की है। राज्य में इस पैकेज के तहत कुल एक हजार एम्बुलेंस की खरीद की जानी है। राज्य सरकार ने सभी जिला और प्रखंड मुख्यालय में एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार नए एम्बुलेंस की रवानगी के मौके पर उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक संजय कुमार सिंह, पटना सिविल सर्जन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 07.07.2022 | पृष्ठ सं० 08

AIIMS-P to start advance yoga therapy soon: Dr Pal

VK Tripathi

Patna: AIIMS-Patna will soon establish an advance centre for yoga therapy, its new executive director **Dr GK Pal** said on Wednesday.

A separate clinic with regular OPD service for this new branch is likely to be opened in a month for treatment of patients there. AIIMS-P is one of the largest of all AIIMSs and caters to the need of hundreds of patients of Bihar and adjoining states, he said.

Talking to this newspaper, Dr Pal said, "Yoga therapy is very helpful in curing diabetes, early stages of cardiac problem, asthma, intestinal disorders, arthritis, breathing difficulty and other health issues. It is a safe therapy with broader impact as many of the health problems have their genesis in our lifestyle and food habits."

Another issue on which the AIIMS-P administration has started working on is appointment of faculty members and paramedics.

Dr Pal, who was the programme director of advance yoga centre at JIPMER, Pondicherry earlier, admitted that this premier institution has been battling with serious faculty crisis in discharging medical services up to the people's expectations. He said only 136 faculty members were currently working there against the sanctioned strength of 305. It necessitated appointments against the remaining vacant seats of 169 doctors. The process has been initiated with a target to complete it by early August. Recruitment on vacant posts of paramedical staff will also be made soon, he said.

The new director further said that cancer cases were on the rise in the entire country, including Bihar, and the patients of the state had to go outside for speciliased treatment. Now, strengthening of the AIIMS-P departments would be of great help to people of Bihar in particular.

Medical research is another important field on which Dr Pal has urged his faculty members to work on. The institute will provide all help and facilities to the doctors for carrying out research on new technologies and methodologies of treatment. During Covid times, AIIMS-P faculty members had come out with many valuable medical research works, which had been published in national and international journals.

सौजन्य से टाइम्स ऑफ इंडिया | पटना | 07.07.2022 | पृष्ठ सं० 2

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	1389
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	309
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	189
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,73,10,712
⇒ कम से कम एक डोस	7,14,27,257
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,21,25,616

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

 कतर
 दक्षिण कोरिया

 जापान
 हॉग कॉग

 यू.ए.ई.
 सिंगापुर

 बहरीन
 न्यूजीलैंड

 कनाडा
 यू.एस.ए.

 ऑस्ट्रेलिया
 सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई	हैदराबाद	पुणे
चेन्नई	नागपुर	गुजरात
कोलकाता	वाराणसी	गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.